Important Question Class 7 Hindi Chapter 4 अंबा और भीष्म

प्रश्न-1 चित्रांगद कैसे योद्धा थे?

उत्तर- चित्रांगद बड़े ही वीर, परन्तु स्वेछाचारी योद्धा थे ।

प्रश्न-2 चित्रांगद की मृत्यु कैसे हुई?

उत्तर- एक बार किसी गंधर्व के साथ युद्ध हुआ, जिसमें वे मारे गए ।

प्रश्न-3 चित्रांगद के मृत्यु के बाद विचित्रवीर्य को राजगद्दी क्यों दी गई?

उत्तर – चित्रांगद के मृत्यु के बाद विचित्रवीर्य को राजगद्दी इसलिए दी गई क्योंकि चित्रांगद का कोई पुत्र नहीं था ।

प्रश्न-4 कुछ समय के लिए हस्तिनापुर की राजगद्दी भीष्म को क्यों सँभालनी पड़ी?

उत्तर – विचित्रवीर्य की आयु उस समय बहुत छोटी थी, इस कारण उनके बालिग होने तक राज-काज भीष्म को ही सँभालना पड़ा ।

प्रश्न-5 भीष्म काशी क्यों गए?

उत्तर – भीष्म काशिराज की कन्यायों के स्वयंवर में सम्मिलित होने काशी गए ।

प्रश्न-6 जब भीष्म स्वयंवर मंडप में प्रविष्ट हुए तो सभी राजकुमारों ने क्या सोचा?

उत्तर – जब भीष्म स्वयंवर मंडप में प्रविष्ट हुए तो सभी राजकुमारों ने सोचा कि वह सिर्फ़ स्वयंवर देखने के लिए आए हैं ।

प्रश्न-7 स्वयंवर में भीष्म पर फब्तियाँ क्यों कसी जाने लगी?

उत्तर – जब स्वयंवर में सम्मिलित होनेवालों में भीष्म ने भी अपना नाम दिया तब सभा में खलबली मच गई और चारो ओर से भीष्म पर फब्तियाँ कसी जाने लगी ।

प्रश्न-8 क्या भीष्म स्वयं के लिए स्वयंवर में सम्मिलित होने गए थे?

उत्तर – भीष्म स्वयं के लिए नहीं बल्कि अपने भाई विचित्रवीर्य के लिए स्वयंवर में सम्मिलित होने गए थे ।

प्रश्न-9 भीष्म किस अवहेलना को सह नहीं पाए और उन्होंने क्या किया?

उत्तर – काशिराज की कन्यायों ने भीष्म की तरफ़ से दृष्टि फेर कर उनकी अवहेलना की जो भीष्म सह न सके इसलिए उन्होंने सभी राजकुमारों को हराकर तीनों राजकन्यायों को बलपूर्वक हस्तिनापुर ले गए ।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न-10 काशिराज की सबसे बड़ी कन्या का क्या नाम था और वह किसे मन ही मन अपना पति मान चुकी थी?

उत्तर – काशिराज की सबसे बड़ी कन्या का नाम अंबा था और वह राजा शाल्व को मन ही मन अपना पति मान चुकी थी ।

प्रश्न-11 किसने भीष्म के रथ को रोकने का प्रयत्न किया?

उत्तर – सौभदेश के राजा शाल्व ने भीष्म के रथ को रोकने का प्रयत्न किया ।

प्रश्न-12 किसने किससे कहा?

"गांगेय, मैंने अपने मन में सौभदेश के राजा शाल्व को अपना पति मान लिया था । इसी बीच आप मुझे बलपूर्वक ले आए ।"

अंबा ने भीष्म से कहा ।

प्रश्न-13 अंबा की मन की बात जानकर भीष्म ने क्या किया?

उत्तर- अंबा की मन की बात जानकर भीष्म ने उसे राजा शाल्व के पास भेज दिया ।

प्रश्न-14 अंबिका और अंबालिका का विवाह किसके साथ हुआ?

उत्तर- अंबिका और अंबालिका का विवाह विचित्रवीर्य के साथ हुआ ।

प्रश्न-15 राजा शाल्व ने अंबा को पत्नी के रूप में क्यों नहीं स्वीकार किया?

उत्तर – राजा शाल्व ने अंबा को पत्नी के रूप में इसलिए नहीं स्वीकार किया क्योंकि सभी राजकुमारों के सामने भीष्म ने राजा शाल्व को युद्ध में पराजित किया था और अंबा को बलपूर्वक हरण करके ले गए थे ।

प्रश्न-16 विचित्रवीर्य और शाल्व के द्वारा विवाह के लिए मना करने पर अंबा ने भीष्म से क्या कहा?

उत्तर – अंबा ने इन सब का कारण भीष्म को ठहराया और भीष्म को उससे विवाह करने को कहा ।

प्रश्न-17 अंबा भीष्म से क्यों बदला लेना चाहती थी और उसने उसके लिए क्या किया?

उत्तर – अंबा ने अपने सारे दुःख का कारण भीष्म को ही समझा इसलिए वह कई राजाओं के पास गई और भीष्म से युद्ध करके उनका वध करने की प्रार्थना की ।

प्रश्न-18 क्षत्रियों से निराश होकर अंबा जब ब्राह्मणों की शरण में गई तो उन्होंने उसे क्या सलाह दी?

उत्तर – तपस्वियों ने अंबा को परशुराम के पास जाने को कहा ।

प्रश्न-19 परशुराम और भीष्म के युद्ध का वर्णन कीजिए ।

उत्तर – दोनों ही जितेंद्रिय और ब्रह्मचारी थे । कई दिनों तक युद्ध होता रहा, फिर भी हार जीत का निश्चय न हो सका । अंत में परशुराम ने हार मान ली ।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न-20 भीष्म किस अवहेलना को सह नहीं पाए और उन्होंने क्या किया?

उत्तर – काशिराज की कन्यायों ने भीष्म की तरफ़ से दृष्टि फेर कर उनकी अवहेलना की जो भीष्म सह न सके इसलिए उन्होंने सभी राजकुमारों को हराकर तीनों राजकन्यायों को बलपूर्वक हस्तिनापुर ले गए ।

प्रश्न-21 अंबा शिखंडी कैसे बनी?

उत्तर – अंबा तपोबल से स्त्री-रूप छोड़ कर पुरुष बन गई और उसने अपना नाम शिखंडी रख लिया ।

प्रश्न-22 अंबा का क्रोध कब शांत हुआ?

उत्तर – शिखंडी को आगे करके अर्जुन ने भीष्म पितामह पर हमला किया और भीष्म आहत होकर पृथ्वी पर गिर पड़े, तब जाकर अंबा का क्रोध शांत हुआ ।

प्रश्न-23 किसने किससे कहा?

i.“राजन! मैं आपको ही अपना पति मान चुकी हूँ । मेरे अनुरोध से भीष्म ने मुझे आपके पास भेजा है।”

अंबा ने राजा शाल्व से कहा ।

ii.“वत्स, राजा शाल्व अंबा को स्वीकार नहीं करता इससे विदित होता है कि उसकी इच्छा अंबा को पत्नी बनाने की नहीं थी ।”

भीष्म ने विचित्रवीर्य से कहा ।

iii.“गांगेय, मैं तो दोनों ओर से ही गई । मेरा कोई भी सहारा न रहा ।”

अंबा ने भीष्म से कहा ।

iv.“अपनी प्रतिज्ञा तो मैं नहीं तोड़ सकता ।”

भीष्म ने अंबा से कहा ।

v.“काशिराज-कन्ये तुम मुझसे क्या चाहती हो ।”

परशुराम ने अंबा से कहा ।

vi.“ब्राह्मण-वीर, मेरी प्रार्थना केवल यही है कि आप भीष्म से युद्ध करें । मैं आपसे भीष्म के वध की भीख माँगती हूँ ।”

अंबा ने परशुराम से कहा ।

vii.“जो कुछ मेरे वश में था, कर चुका ।”

परशुराम ने अंबा से कहा ।

https://www.evidyarthi.in/